बाढ़ में बह गई जिंदगी भर की कमाई

टिहरी जिले में अब तक 59 परिवार पूर्ण रूप से प्रभावित

गंगादत्त थपलियाल

नई टिहरी। सरकारी आंकड़ों पर यकीन करें तो जिले में 59 परिवार पूर्ण रूप से प्रभावित हुए हैं। धर्मगंगा, भिलंगना और अगलाड नदी उनकी जिंदगी भर की कमाई और सपनों को अपने साथ बहा ले गई। इसके साथ ही अब तक जो तस्वीर सामने आई है, उसके अनुसार जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से 29 दुकानें बही हैं। कृषि भूमि बहने की पूरे आंकड़े अब तक साफ नहीं हुए हैं। इस त्रासदी में सात लोग भी काल के शिकार हुए हैं।

अब तक शासन-प्रशासन का पूरा ध्यान तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने तक ही रहा है। यही वजह है कि बाढ़ से प्रभावितों की पूरी सूची नहीं बन पाई है। लापता लोगों के बारे में भी कोई निश्चित आंकड़ा सामने नहीं आ पाया है। प्रशासन ने अब तक क्षति का जो आकलन किया है, उसके अनुसार जिले में 59 परिवार पूर्ण रूप से प्रभावित हुए हैं। सात लोग मौत के मुंह में समाए हैं। 76 पशुओं को भी त्रासदी ने निवाला बनाया है। 910 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, तो 29 व्यापारियों की दुकानें अगलाड और धर्मगंगा में बह चुकी हैं। खेत-खलियानों का तो पता ही

सेंदुल-प्रतापनगर मार्ग पर बना पुल आपदा से हो गया क्षतिग्रस्त।

- थत्यूड़ और बूढ़ाकेदार में हुई सर्वाधिक क्षति
- सात लोगों की जान गई कृषि भूमि भी तबाह

नहीं लग पा रहा है। कृषि व्यवस्था टूटने से गांवों से पलायन का ग्राफ और अधिक बढ़ने का खतरा हो गया है। आपदा से सर्वाधिक तबाही भिलंगना के बूढ़ाकेदार और जौनपुर ब्लॉक के थत्यूड़ में हुई है। अगलाड में थत्यूड़ के

> 17 जून की सुबह अगलाड़ में पूरी दुकान ही समा गई है। दुकान में कम से कम 18 से 20 लाख का माल भरा हुआ था। प्रशासन के अधिकारी अब तक सिर्फ पूछताछ के लिए आ रहे हैं। जिदंगी की डगर अब आगे कैसे चलेगी यह सोचकर आंसू बहाने के सिवाय अब कोई चारा नहीं बचा है।
>
> **- बिजेंद्र गौड़** व्यापारी थत्यूड़ आपदा पीड़ित

16 व्यापारियों की दुकानें समाई है तो बूढ़ाकेदार में 10 दुकानें तबाह हुई हैं।

दुंगमंदार और धारमंडल क्षेत्र में जरूरी वस्तुओं का संकट

घनसाली (टिहरी)। प्रतापनगर प्रखंड सहित दुंगमंदार और धारमंडल को जोड़ने वाले सरांसगांव में बने मोटर पुल के बाढ़ में क्षतिग्रस्त होने से आवागमन पूर्ण रूप से बंद है। क्षेत्र में रसद सहित जरूरी वस्तुओं का संकट हो गया है। बावजूद इसके पुल की मरम्मत का कार्य शुरू नहीं कराया जा सका है। टिहरी डैम बनने के बाद प्रतापनगर क्षेत्र के धारमंडल, दुंगमंदार तथा प्रतापनगर के गांवों को यातायात सुलभ करवाने वाले सेंदुल- प्रतापनगर मोटर मार्ग का पुल 16 जून को बाल गंगा नदी में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिससे दुंगमंदार क्षेत्र के 27 गांवों सहित धारमंडल व प्रतापनगर पट्टियों के सैकडों गांवों का पूरा संपर्क कट गया है। दुंगमंदार पट्टी के ध्यान सिंह पंवार और विजय सिंह का कहना है कि पुल के क्षतिग्रस्त होने से पैदल चलने का रास्ता भी नहीं बचा है। सड़क न होने से आवश्यक सामग्री की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। लोनिवि प्रांतीय खंड के ईई जगमोहन चौहान ने कहा कि पुल बनने मे तीन माह का समय लगेगा। निरीक्षण के लिए सहायक अभियंता को भेजा गया था। कार्य शुरू करने के आदेश दिए गए है।

> आपदा से क्षति बहुत अधिक हुई है। सर्वे कर आंकड़े जुटाने का काम जारी है। व्यापारियों की दुकानें बही है, उन्हें भी बहुत अधिक नुकसान की सूचना है। शासन से व्यापारियों को मुआवजा राशि बढ़ाकर देने की अनुमति को पत्र भेजा गया है। **-नितेश कुमार झा,** डीएम टिहरी